प्रथमः भागः (अ)

प्रथमः खण्डः – 40 अङ्काः

संस्कृतभाषादक्षता - विषय क्षेत्र

1 सन्धि
- शब्दरूप
- धातुरूप

2 प्रत्यय
- कृत्
- अपत्यार्थक
- मतुप्/वतुप्
- टाप्, ङीप्, ङीष्

3 समास
- अव्ययीभाव
- तत्पुरुष
- द्वन्द्व/द्विगु
- कर्मधारय/नञ्
- बहुव्रीहि

4 प्रक्रियाएँ
- णिच्
- सन्

5 वाच्य
- कर्तृवाच्य
- कर्मवाच्य
- भाववाच्य

6 कारक एवं उपपद विभक्ति
- कर्म
- करण
- सम्प्रदान
- अपादान
- अधिकरण

7 वर्तनी की अशुद्धि

द्वितीयः खण्डः – 40 अङ्काः

सामान्य ज्ञान परीक्षण- विषय क्षेत्र

भारतीय संस्कृति	इतिहास
संगीत	तिथि
चित्रकला	घटना
नाटक	खेल-कूद
भारतीय संविधान	राज्य
साहित्य (संस्कृत)	भाषायें
संयुक्त राष्ट्र संघ	ऐतिहासिक स्थान
साक्षरता	(भारतीय एवं विदेशी)
जनसंख्या	राजधानी

- पर्यावरण
- पुरस्कार-शांति/खेल/साहित्य/विज्ञान
- विशिष्ट दिवस
- मानवाधिकार
- महत्त्वपूर्ण विश्वसम्मेलन
- विज्ञान (प्राचीन)
- राष्ट्रिय स्तर पर संस्कृत की संस्थायें
- समसामयिक विषय

मानसिकयोग्यता - विषय क्षेत्र

- वर्णमाला क्रमनिर्धारण
- संख्या क्रमनिर्धारण
- आरोह/अवरोहक्रम
- समय-वार, दिन, घण्टे,
- दर्पण में समय/शब्द
- आकृतियाँ
- कार्य कारण, अंश-पूर्ण
- आधार-आधेय सम्बन्ध
- भिन्न शब्द को छांटना
- संख्या श्रेणी (आगामी)
- अनुपातात्मक संख्या/सम्बंध
- सार्थक क्रम (विभिन्न वस्तुएँ)
- गणितीय तार्किकता
- मानवीय संबंध
- सामान्य तर्क कथन

तृतीयः खण्डः – 40 अङ्काः

शिक्षण-अभिरुचिः – विषय क्षेत्र

शिक्षा-उद्देश्य

शिक्षक-गुण

शिक्षा-सिद्धान्त

अनुशासन

शिक्षण-वृत्ति

कक्षा-प्रबंध

शिक्षक-भूमिका

शिक्षण-उद्देश्य

प्राचीन शिक्षा

गृहकार्य

शिक्षा के प्रति चेतना

शिक्षा आयोग

शिक्षा समस्याएँ

जीवन-मूल्य शिक्षा

शिक्षा-मनोविज्ञान

शिक्षा का इतिहास

चतुर्थः खण्डः – 40 अङ्काः

संस्कृतवाङ्मयम्-विषयक्षेत्र

वैदिक वाङ्मयम्-विषयक्षेत्र

वैदिक वाङ्मय

ब्राह्मण, आरण्यक

उपनिषद्, 0वेदान्न

दर्शन

पुराण

रामायण

महाभारत

महाकाव्य

कविः, नाटक

गद्य, चम्पू

आधुनिकरचनाएँ

एवं रचनाकार

द्वितीयः भागः (ब)

संस्कृतभाषातत्त्वदक्षता

40 अङ्काः

(अ) अनुप्रयुक्तव्याकरणम्

क. वचनपरिवर्तनम्

ख. विशिष्टकारकपदचयनम्

ग. लकारपरिवर्तनम्, लिङ्गपरिवर्तनम्, वचनपरिवर्तनम्, वाच्यपरिवर्तनम्

घ. कर्तृपदचयनम्, विशेषणचयनम्, क्रियापदचयनम्

ङ अव्ययपदचयनम्, सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः, उपमानोपमेयचयनम्

(ब) 1. प्रदत्तम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नोत्तरलेखनम्

2. प्रदत्तं पद्यं पठित्वा प्रश्नोत्तरलेखनम्

(स) प्रदत्तविषयेषु एकं विषयम् अधिकृत्य प्रायः पञ्चाशत् शब्देषु अनुच्छेदलेखनम्